06-06-99

मायाजीत का एक्जैम्पल बनो तो प्रत्यक्षता का झण्डा लहराये

बापदादा को यूथ के प्रोग्राम प्रति सुनाया तो बापदादा बहुत मीठा-मीठा मुस्कराये, ऐसे लग रहा था जैसे कोई होवनहार आत्माओं को देख मुस्करा

रहा है, ऐसे मुस्कराते हुए बाबा बोले, बच्ची यूथ पर तो गवर्मेन्ट की भी विशेष नज़र है। और यह तो फिर ब्रह्मचारी यूथ हैं, इन्हों पर तो बापदादा को नाज़ है, विशेष नज़र है क्योंकि हमारे यूथ बच्चों में तो डबल ताकत है। एक स्प्रीचुअल बल, दूसरा शारीरिक बल, इससे तो यह ब्रह्मचारी यूथ विश्व में अपने मायाजीत के एक्जैम्पुल से बाप की प्रत्यक्षता का झण्डा लहरा सकते हैं। अनेक हमजिन्स को साथी बना सकते हैं। और योगबल से विश्व में शान्ति शक्ति का वायब्रेशन फैला सकते हैं। इसलिए इन्हों को जितना महावीर बनाओ, शक्ति भरो उतना अच्छा है।